# प्रकाशनार्थ

**पटना, 6 जून।** पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा समर्थित ईआईएसीपी-आद्री ने आज ईआईएसीपी-आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के साथ संयुक्त रूप से एक वेबिनार आयोजित कर विश्व पर्यावरण दिवस के उत्सव को मनाया। इस कार्यक्रम का विषय था – **जलवायु कार्रवाई: प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।**

वेबिनार में श्री दिलीप यादव (आईएफएस), डीएफओ, खूंटी (रांची) ने अपशिष्ट प्रबंधन के नियमों पर अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि घरों से निकलने वाले तरल अपशिष्ट, जो अंततः पारिस्थितिकी तंत्र में पहुंच जाते हैं, जलीय जीवन तथा वन्यजीवों दोनों को गंभीर रूप से दुष-प्रभावित कर रहे हैं। इसके बाद बिहार सरकार की बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति (बीएसएसएस) के संचालन निदेशक डॉ. आलोक रंजन ने सतत जैव-अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि अपशिष्टों का उनके उत्पत्ति-स्थल पर ही पृथक्करण (सेग्रिगेशन) किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन डॉ. सुनील कुमार गुप्ता (ईआईएसीपी समन्वयक) तथा डॉ. सूरज शंकर, टीम लीड (एबी-पीएमजेएवाई-आद्री) द्वारा किया गया। ईआईएसीपी के श्री संजीव कुमार (डाटा ऑपरेटर) और श्री गुलशन पटेल (आईटी एवं जीआईएस अधिकारी) ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। विभिन्न संस्थानों से लगभग 70 शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं, शोधकर्ताओं, पर्यावरणविदों तथा विद्यार्थियों ने इस वर्चुअल कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

**(अभिषेक प्रसाद)**